



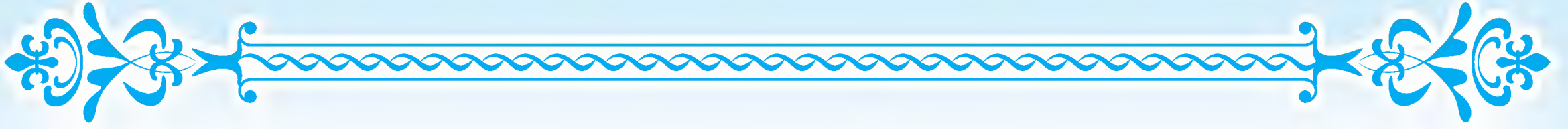
يَا اللَّهُ يَا اللَّهُ يَا اللَّهُ
يَا مَلِكُ يَا مَلِكُ يَا مَلِكُ
يَا سَلَامُ يَا سَلَامُ يَا سَلَامُ
يَا عَزِيزُ يَا عَزِيزُ
يَا قَهَّارُ يَا قَهَّارُ يَا قَهَّارُ
يَا حَكِيمُ يَا حَكِيمُ يَا حَكِيمُ



40 रुहानी इलाज
मअ
तिब्बी इलाज

मुहम्मद इब्न्यास अत्ता२ क़ादिरि २-ज़वी

 دَامَتْ بَرَكَاتُهُمُ
 الْعَالِيَهُ



الْحَمْدُ لِلَّهِ رَبِّ الْعَالَمِينَ وَالصَّلَاةُ وَالسَّلَامُ عَلَى سَيِّدِ الْمُرْسَلِينَ آمَنَّا بِعَدُوِّ قَاعُودٍ بِاللَّهِ مِنَ الشَّيْطَانِ الرَّجِيمِ بِسْمِ اللَّهِ الرَّحْمَنِ الرَّحِيمِ

किताब पढ़ने की दुआ

दीनी किताब या इस्लामी सबक पढ़ने से पहले जैल में दी हुई दुआ पढ़ लीजिये
 إِنَّ شَاءَ اللَّهُ عَزَّوَجَلَّ जो कुछ पढ़ेंगे याद रहेगा। दुआ यह है :

اللَّهُمَّ افْتَحْ عَلَيْنَا حِكْمَتَكَ وَأَنْشُرْ
 عَلَيْنَا رَحْمَتَكَ يَا ذَا الْجَلَالِ وَالْإِكْرَامِ

तरजमा : ऐ **अल्लाह** ! हम पर इल्मो हिक्मत के दरवाजे खोल दे और हम
 पर अपनी रहमत नाज़िल फ़रमा ! ऐ अ-जमत और बुजुर्गी वाले ।

(مُسْتَطَرَف ج ١ ص ٤٠ دار الفكر بيروت)

ग़मे मदीना, बक़ीअ,
 मफ़िरत और बे हिसाब
 जन्नतुल फ़िरदौस में आका
 के पड़ोस का तालिब



(अव्वल आख़िर एक बार दुरूद शरीफ़ पढ़ लीजिये ।)

13 शव्वालुल मुकर्रम 1428 हि.

(40 रूहानी इलाज मअ़ त़िब्बी इलाज)

येह रिसाला (40 रूहानी इलाज मअ़ त़िब्बी इलाज)

शैख़े त़रीक़त, अमीरे अहले सुन्नत, बानिये दा'वते इस्लामी हज़रत
 अल्लामा मौलाना अबू बिलाल मुहम्मद इल्यास अत्तार क़ादिरि
 र-ज़वी دَامَتْ بَرَكَاتُهُمُ الْعَالِيَهُ ने उर्दू ज़बान में तहरीर फ़रमाया है ।

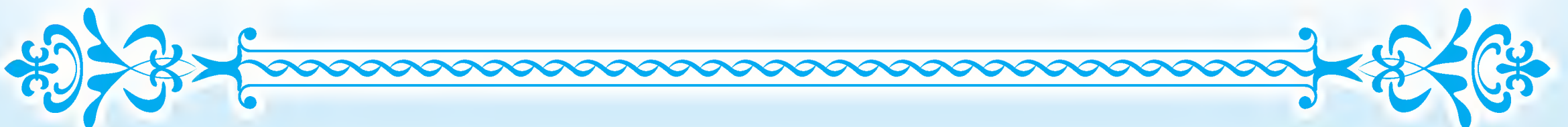
मजलिसे तराजिम (दा'वते इस्लामी) ने इस रिसाले को हिन्दी
 रस्मुल ख़त में तरतीब दे कर पेश किया है और मक-त-बतुल मदीना से
 शाएअ़ करवाया है । इस में अगर किसी जगह कमी बेशी पाएं तो मजलिसे
 तराजिम को (ब ज़रीअए मक्तूब, ई-मेइल या SMS) मुत्तलअ़ फ़रमा कर
 सवाब कमाइये ।

राबिता : **मजलिसे तराजिम** (दा'वते इस्लामी)

मक-त-बतुल मदीना, सिलेक्टेड हाउस,

अलिफ़ की मस्जिद के सामने, तीन दरवाज़ा, अहमदआबाद-1, गुजरात

MO. 9374031409 E-mail : translationmaktabhind@dawateislami.net



الْحَمْدُ لِلَّهِ رَبِّ الْعَالَمِينَ وَالصَّلَاةُ وَالسَّلَامُ عَلَى سَيِّدِ الْمُرْسَلِينَ
أَمَّا بَعْدُ فَأَعُوذُ بِاللَّهِ مِنَ الشَّيْطَانِ الرَّجِيمِ بِسْمِ اللَّهِ الرَّحْمَنِ الرَّحِيمِ

40 रूहानी इलाज मअ तिब्बी इलाज

दुरूद शरीफ की फज़ीलत

अल्लाह عزَّوَجَلَّ के प्यारे हबीब, हबीबे लबीब, तबीबों के तबीब صَلَّى اللَّهُ تَعَالَى عَلَيْهِ وَآلِهِ وَسَلَّمَ का फ़रमाने रहमत निशान है : जो मुझ पर शबे जुमुआ और रोज़े जुमुआ (या'नी जुमा'रात के गुरुबे आफ़ताब से ले कर जुमुआ का सूरज डूबने तक) सो बार दुरूद शरीफ़ पढ़े अल्लाह तआला उस की सो हाजतें पूरी फ़रमाएगा 70 आख़िरत की और 30 दुन्या की ।

(شُعَبُ الْإِيمَان ج ٣ ص ١١١ حديث ٣٠٣٥)

صَلُّوا عَلَى الْحَبِيبِ ! صَلَّى اللَّهُ تَعَالَى عَلَى مُحَمَّدٍ

हर विर्द के अव्वल व आखिर एक बार दुरूद शरीफ़ पढ़ लीजिये, फ़ाएदा ज़ाहिर न होने की सूरत में शिक्वा करने के बजाए अपनी कोताहियों की शामत तसव्वुर कीजिये, **अल्लाह** عَزَّوَجَلَّ की हिक्मत पर नज़र रखिये।

﴿1﴾ **هُوَ اللَّهُ الرَّحِيمُ** जो हर नमाज़ के बा'द सात बार पढ़ लिया करेगा **إِنْ شَاءَ اللَّهُ عَزَّوَجَلَّ** शैतान के शर से बचा रहेगा और उस का ईमान पर ख़ातिमा होगा।

﴿2﴾ **يَا اللَّهُ** 100 बार सोते वक़्त पढ़ने से **إِنْ شَاءَ اللَّهُ عَزَّوَجَلَّ** शयातीन की शरारत व फ़ालिज और लक़वे की आफ़त से हिफ़ाज़त होगी।

﴿3﴾ **يَا مَلِكُ** 90 बार जो ग़रीब व नादार रोज़ाना पढ़ा करे **إِنْ شَاءَ اللَّهُ عَزَّوَجَلَّ** ग़ुरबत से नजात पाएगा।

﴿4﴾ “يَا قُدُّوسُ” का जो कोई दौराने सफ़र विर्द करता रहे **إِنْ شَاءَ اللَّهُ عَزَّوَجَلَّ** थकन से महफूज़ रहेगा।

﴿5﴾ “يَا سَلَامُ” 111 बार पढ़ कर बीमार पर दम करने से **إِنْ شَاءَ اللَّهُ عَزَّوَجَلَّ** शिफ़ा हासिल होगी।

﴿6﴾ “يَا مُهِينُ” 29 बार जो कोई ग़मज़दा रोज़ाना पढ़ ले **إِنْ شَاءَ اللَّهُ عَزَّوَجَلَّ** उस का ग़म दूर हो नीज़ **إِنْ شَاءَ اللَّهُ عَزَّوَجَلَّ** आफ़तों और बलाओं से भी महफूज़ रहे।

﴿7﴾ “يَا عَزِيزُ” 41 बार हाकिम या अफ़सर वग़ैरा के पास जाने से क़बूल पढ़ लीजिये **إِنْ شَاءَ اللَّهُ عَزَّوَجَلَّ** वोह हाकिम या अफ़सर मेहरबान हो जाएगा।

﴿8﴾ “يَا مُتَكَبِّرُ” 21 बार रोज़ाना पढ़ लीजिये, डरावने ख़्वाब आते होंगे तो **إِنْ شَاءَ اللَّهُ عَزَّوَجَلَّ** नहीं आएंगे।

(मुद्दते इलाज : ता हुसूले शिफ़ा)

﴿9﴾ “يَا مُتَكَبِّرُ” जौजा से “मिलाप” से क़ब्ल 10

बार पढ़ लेने वाला إِنْ شَاءَ اللَّهُ عَزَّوَجَلَّ नेक बेटे का बाप बनेगा।

﴿10﴾ “يَا بَارِي” 10 बार जो कोई हर जुमुआ को पढ़

लिया करे إِنْ شَاءَ اللَّهُ عَزَّوَجَلَّ उस को बेटा अता होगा।

﴿11﴾ “يَا قَهَّارُ” 100 बार अगर कोई मुसीबत आ

पड़े तो पढ़िये إِنْ شَاءَ اللَّهُ عَزَّوَجَلَّ मुश्किल आसान होगी।

﴿12﴾ “يَا وَهَّابُ” सात बार जो रोज़ाना पढ़ा करेगा

إِنْ شَاءَ اللَّهُ عَزَّوَجَلَّ मुस्तजाबुद्दा'वात होगा (या'नी उस की दुआएं

क़बूल हुवा करेंगी)

﴿13﴾ “يَا فَتَّاحُ” 70 बार जो रोज़ाना बा'द नमाज़े

फ़ज़्र दोनों हाथ सीने पर रख कर पढ़ा करेगा إِنْ شَاءَ اللَّهُ عَزَّوَجَلَّ

उस के दिल का जंग व मैल दूर होगा।

﴿14﴾ “يَا فَتَّاحُ” सात बार जो रोज़ाना (किसी भी वक़्त

दिन में एक मर्तबा) पढ़ा करेगा **إِنْ شَاءَ اللَّهُ عَزَّوَجَلَّ** उस का दिल रोशन होगा।

﴿15﴾ “يَا قَابِضُ، يَا بَاسِطُ” 30 बार जो हर रोज़

पढ़ा करे **إِنْ شَاءَ اللَّهُ عَزَّوَجَلَّ** वोह दुश्मन पर फ़तह पाएगा।

﴿16﴾ “يَا رَافِعُ” 20 बार जो रोज़ाना पढ़ा करेगा

إِنْ شَاءَ اللَّهُ عَزَّوَجَلَّ उस की मुराद पूरी होगी।

﴿17﴾ “يَا بَصِيرُ” सात बार जो कोई रोज़ाना ब वक़्ते

अ़स्र (या'नी इब्तिदाए वक़्ते अ़स्र ता गुरूबे आफ़ताब किसी

भी वक़्त) पढ़ लिया करेगा **إِنْ شَاءَ اللَّهُ عَزَّوَجَلَّ** अचानक मौत से

महफूज रहेगा ।

﴿18﴾ “يَاسِيْعُ” 100 बार जो रोज़ाना पढ़े और इस दौरान गुफ़्त-गू न करे और पढ़ कर दुआ मांगे **إِنْ شَاءَ اللَّهُ عَزَّوَجَلَّ** जो मांगेगा पाएगा ।

﴿19﴾ “يَا حَكِيْمُ” 80 बार जो रोज़ाना पांचों नमाज़ों के बा'द पढ़ लिया करे, **إِنْ شَاءَ اللَّهُ عَزَّوَجَلَّ** किसी का मोहताज न हो ।

﴿20﴾ “يَا جَلِيْلُ” दस बार पढ़ कर जो अपने मालो अस्बाब और रक़म वगैरा पर दम कर दे **إِنْ شَاءَ اللَّهُ عَزَّوَجَلَّ** चोरी से महफूज रहेगा ।

﴿21﴾ “يَا شَهِيدُ” 21 बार, सुब्ह (तुलूए आफ़ताब से पहले पहले) ना फ़रमान बच्चे या बच्ची की पेशानी पर हाथ रख

कर आस्मान की तरफ़ मुंह कर के जो पढ़े **إِنْ شَاءَ اللَّهُ عَزَّوَجَلَّ**

उस का वोह बच्चा या बच्ची नेक बने।

﴿22﴾ **“يَا وَكِيلُ”** सात बार जो रोज़ाना अस्र के वक़्त

पढ़ लिया करे **إِنْ شَاءَ اللَّهُ عَزَّوَجَلَّ** आफ़्तों से पनाह पाए।

﴿23﴾ **“يَا حَيِّدُ”** 90 बार, जिस की गन्दी बातों की

आदत न जाती हो वोह पढ़ कर किसी ख़ाली पियाले या

गिलास में दम कर दे। हस्बे ज़रूरत उसी में पानी पिया करे

إِنْ شَاءَ اللَّهُ عَزَّوَجَلَّ फ़ोहूश गोई (या'नी बे हयाई की बातों) की

आदत निकल जाएगी। (एक बार का दम किया हुवा गिलास

बरसों तक चला सकते हैं)

﴿24﴾ **“يَا مُحْصِي”** एक हज़ार बार, जो कोई हर शबे

जुमुआ (या'नी जुमा'रात व जुमुआ की दरमियानी शब) पढ़ लिया करे **إِنْ شَاءَ اللَّهُ عَزَّوَجَلَّ** क़ब्र व क़ियामत के अज़ाब से महफूज़ हो।

﴿25﴾ **“يَا مُحْيِي”** 7 बार पढ़ कर अपने ऊपर दम कर लीजिये, गेस हो या पेट या किसी भी जगह दर्द हो या किसी उज़्व के ज़ाएअ हो जाने का ख़ौफ़ हो **إِنْ شَاءَ اللَّهُ عَزَّوَجَلَّ** फ़ाएदा होगा। (मुद्दते इलाज : ता हुसूले शिफ़ा, रोज़ाना कम अज़ कम एक बार)

﴿26﴾ **“يَا مُحْيِي، يَا مُبِيتُ”** सात बार रोज़ाना पढ़ कर अपने ऊपर दम कर लिया कीजिये **إِنْ شَاءَ اللَّهُ عَزَّوَجَلَّ** जादू असर नहीं करेगा।

﴿27﴾ **“يَا وَاجِدُ”** जो कोई खाना खाते वक़्त हर निवाले पर पढ़ा करेगा **إِنْ شَاءَ اللَّهُ عَزَّوَجَلَّ** वोह खाना उस के पेट में नूर होगा और बीमारी दूर होगी।

﴿28﴾ “يَا مَاجِدُ” 10 बार पढ़ कर शरबत वगैरा पर दम कर के जो पी लिया करे **إِنْ شَاءَ اللَّهُ عَزَّوَجَلَّ** (सख्त) बीमार न होगा।

﴿29﴾ “يَا وَاحِدُ” एक हजार एक बार, जिस को अकेले में डर लगता हो, तन्हाई में पढ़ ले **إِنْ شَاءَ اللَّهُ عَزَّوَجَلَّ** उस के दिल से खौफ़ जाता रहेगा।

﴿30﴾ “يَا قَادِرُ” जो वुजू के दौरान हर उज़्व धोते हुए पढ़ने का मा'मूल बना ले **إِنْ شَاءَ اللَّهُ عَزَّوَجَلَّ** दुश्मन उस को इग़्वा नहीं कर सकेगा।

﴿31﴾ “يَا قَادِرُ” 41 बार, मुश्किल आ पड़े तो पढ़ लीजिये **إِنْ شَاءَ اللَّهُ عَزَّوَجَلَّ** आसानी हो जाएगी।

﴿32﴾ “يَا مُقْتَدِرُ” 20 बार, जो रोज़ाना पढ़ लिया

करेगा **إِنْ شَاءَ اللَّهُ عَزَّوَجَلَّ** रहमतों के साए में रहेगा ।

﴿33﴾ **“يَا مُقْتَدِرُ”** 20 बार, जो नींद से बेदार हो कर पढ़ लिया करेगा उस के हर काम में मददे इलाही शामिल रहेगी ।

﴿34﴾ **“يَا أَوَّلُ”** 100 बार, जो रोज़ाना पढ़ लिया करेगा **إِنْ شَاءَ اللَّهُ عَزَّوَجَلَّ** उस की ज़ौजा उस से महबूबत करेगी ।

﴿35﴾ **“يَا مَانِعُ، يَا مُعْطِي”** 20 बार, बीवी नाराज़ हो तो शोहर और अगर शोहर नाराज़ हो तो बीवी सोने से क़ब्ल बिछोने पर बैठ कर पढ़े **إِنْ شَاءَ اللَّهُ عَزَّوَجَلَّ** सुल्ह हो जाएगी ।

(मुद्दत : ता हुसूले मुराद)

﴿36﴾ **“يَا ظَاهِرُ”** घर की दीवार पर लिख लीजिये **إِنْ شَاءَ اللَّهُ عَزَّوَجَلَّ** दीवार सलामत रहेगी ।

﴿37﴾ “يَا رَعُوفُ” जो किसी मज़्लूम का किसी ज़ालिम से पीछा छुड़ाना चाहे, 10 बार पढ़े फिर उस ज़ालिम से बात करे **إِنْ شَاءَ اللَّهُ عَزَّوَجَلَّ** वोह ज़ालिम उस की सिफ़ारिश क़बूल कर लेगा।

﴿38﴾ “يَا غَنِيُّ” रीढ़ की हड्डी, घुटनों, जोड़ों या जिस्म में कहीं भी दर्द हो, चलते फिरते उठते बैठते पढ़ते रहिये **إِنْ شَاءَ اللَّهُ عَزَّوَجَلَّ** दर्द जाता रहेगा।

﴿39﴾ “يَا مُغْنِيُّ” एक बार पढ़ कर हाथों पर दम कर के दर्द की जगह पर मलने से **إِنْ شَاءَ اللَّهُ عَزَّوَجَلَّ** सुकून मिलेगा।

﴿40﴾ “يَا نَافِعُ” 20 बार, जो कोई काम शुरू करने से क़बूल पढ़ ले **إِنْ شَاءَ اللَّهُ عَزَّوَجَلَّ** वोह काम उस की मरज़ी के मुताबिक़ पूरा होगा।

15 तिब्बी इलाज

❁ 1, 2 ❁ बाल लम्बे करने के दो नुस्खे

❁ 250 ग्राम आम्ला, 125 ग्राम सिकाकाई

और 125 ग्राम मेथी दाने पीस कर महफूज कर लीजिये ।

दो चम्मच हस्बे जरूरत पानी में रात को भिगो दीजिये,

सुब्ह छान कर सर धो लीजिये, हफ्ते में एक बार येह अमल

कीजिये, **إِنْ شَاءَ اللَّهُ عَزَّوَجَلَّ** बाल गिरना बन्द होंगे और बाल

लम्बे होने भी शुरू हो जाएंगे ❁ आम्ले का सुफूफ़

(पाउडर) बनवा लीजिये, हस्बे जरूरत पाउडर में पानी

मिला कर गाढ़ा सा लेप बना लीजिये, फिर उसे तमाम

बालों की जड़ों में लगा कर कुछ देर बा'द सर धो लीजिये ।

❦ 3 ❦ दांतों के दर्द और सूजन का तिब्बी इलाज

मसूढ़ों में सूजन हो, खून या पीप निकलता हो तो थोड़ा सा गर्म पानी ले कर उस में थोड़ी सी फिट्करी डाल दीजिये, फिट्करी हल हो जाने के बा'द वोह पानी दांतों और मसूढ़ों पर मलिये, **إِنْ شَاءَ اللَّهُ عَزَّوَجَلَّ** काफी फ़ाएदा होगा।

❦ 4, 5 ❦ शूगर का तिब्बी इलाज

❦ बड़ी इलायची के अन्दर से दाने निकाल कर रोज़ाना सुब्ह व शाम पांच पांच दाने चबा लिया करें, **إِنْ شَاءَ اللَّهُ عَزَّوَجَلَّ** जल्द शिफ़ा हासिल होगी ❦ आम्ला, जामुन के बीज और करेलों के बीज येह तीनों चीज़ें हम वज़्न ले कर उन का सुफूफ़ (पाउडर) बना लीजिये, ज़ियाबीतुस (DIABETES) की उम्दा दवा तय्यार है, इस सुफूफ़ की एक छोटी चम्मच

दिन में एक या दो बार लेना मरज़ बढ़ने से रोकता है।

❁6❁ माहवारी के दर्द का तिब्बी इलाज

जिस को माहवारी (M.C.) के दिनों में पेट और कमर वगैरा में दर्द होता हो, नाफ़ में तेल लगा लिया करे,
 إِنَّ شَاءَ اللَّهُ عَزَّوَجَلَّ दर्द से छुटकारा मिल जाएगा।

❁7,8❁ दस्त (लूज़ मोशन) के 2 तिब्बी इलाज

❁ आधी चम्मच चाय की पत्ती पानी से फांक लीजिये
 إِنَّ شَاءَ اللَّهُ عَزَّوَجَلَّ दस्त ख़त्म हो जाएंगे। छोटे बच्चों को एक
 चुटकी चाय की पत्ती पानी से देना ही काफी है, إِنَّ شَاءَ اللَّهُ عَزَّوَجَلَّ
 उन को भी फ़ाएदा हो जाएगा ❁ सब्ज़ पोदीना धूप में
 सुखा कर, पीस कर उस का पाउडर किसी बोतल में
 महफूज़ कर लीजिये। अगर कभी दस्त (लूज़ मोशन) लग

जाएं तो सुब्हो शाम आधा चम्मच पानी से इस्ति'माल कीजिये **إِنْ شَاءَ اللَّهُ عَزَّوَجَلَّ** मे'दे में ठन्डक हो जाएगी और शिफ़ा हासिल होगी।

❁9❁ नक्सीर बन्द करने का तिब्बी इलाज

लीमूं का रस कपड़े में छान कर ड्रॉपर से नाक में क़तरा क़तरा डालिये, **إِنْ شَاءَ اللَّهُ عَزَّوَجَلَّ** ख़ून बन्द हो जाएगा।

❁10❁ नाक बन्द होने का तिब्बी इलाज

रात को नाक बन्द हो जाए और सांस लेने में रुकावट आती हो तो नीम के थोड़े से ताज़े पत्ते साफ़ कर के इन को पानी में चूल्हे पर जोश दे कर खाने का नमक हल कर के क़ाबिले बरदाश्त हो जाने पर उस पानी से नाक धोइये और दिन में दो बार इसी से ग़रारे कीजिये, **إِنْ شَاءَ اللَّهُ عَزَّوَجَلَّ** नाक खुल जाएगी।

11, 12 हिचकी के दो चुटकुले

❖ कागज़ की थेली या प्लास्टिक का शॉपर मुंह और नाक पर चढ़ा कर हाथों से इस तरह दबा कर रखिये कि नाक और मुंह की सांस की हवा बाहर न निकलने पाए, उसी शॉपर के अन्दर सांस लीजिये, **إِنْ شَاءَ اللَّهُ عَزَّوَجَلَّ** एक दो मिनट के अन्दर अन्दर हिचकी बन्द हो जाएगी ❖ एक छोटी इलायची अच्छी तरह चबा कर निगल लीजिये और फ़ौरन ठण्डे पानी का एक गिलास पी लीजिये, **إِنْ شَاءَ اللَّهُ عَزَّوَجَلَّ** हिचकी बन्द हो जाएगी।

13 ता 15 मुंह की बदबू के तीन तिब्बी इलाज

❖ कच्ची प्याज़ और कच्चा लहसन खाने से मुंह में बदबू हो जाती है, अदरक का टुकड़ा ख़ूब चबा कर खा लीजिये, इसी तरह अज्वाइन या, गुड़ या सौंफ़ या

15 तिब्बी इलाज

चन्द छोटी इलायचियां ख़ूब चबा कर निगल लीजिये,
 إِنَّ شَاءَ اللَّهُ عَزَّوَجَلَّ बदबू ख़त्म हो जाएगी ❖ नीम के 12 पत्ते
 एक गिलास पानी में अच्छी तरह उबाल कर छान लीजिये,
 पानी की गरमी कुछ कम होने पर इस से ग़रारे कीजिये, येह
 जरासीम कुश है, इस के बा क़ाइदा इस्ति'माल से मुंह का
 अन्दरूनी हिस्सा साफ़ होता और मुंह की बदबू दूर हो जाती
 है। ❖ नीम गर्म पानी में नमक मिला कर ग़रारे कीजिये,
 नमक में पाए जाने वाले अनासिर मुर्दा ख़लियों को निकाल
 कर मुंह की बदबू दूर करते हैं।

येह रिसाला पढ़ कर दूसरे को दे दीजिये

शादी ग़मी की तक़रीबात, इज्तिमाआत, आ'रस और जुलूसे मीलाद वगैरा में
 मक-त-बतुल मदीना के शाएअ कर्दा रसाइल और म-दनी फूलों पर
 मुश्तमिल पेम्फ़लेट तक्सीम कर के सवाब कमाइये, गाहकों को ब निय्यते
 सवाब तोहफ़े में देने के लिये अपनी दुकानों पर भी रसाइल रखने का मा'मूल
 बनाइये, अख़बार फ़रोशों या बच्चों के ज़रीए अपने महल्ले के घर घर में माहाना
 कम अज़ कम एक अदद सुन्नतों भरा रिसाला या म-दनी फूलों का पेम्फ़लेट
 पहुंचा कर नेकी की दा'वत की धूमें मचाइये और ख़ूब सवाब कमाइये।

ग़मे मदीना, बकीअ,
 मग़िफ़रत और बे हिसाब
 जन्नतुल फ़िरदौस में आका
 के पड़ोस का तालिब



17 र-जबुल मुरज्जब 1435 सि.हि.

05-05-2014

सुन्नत की बहारें

تَحْلِيْقَةُ كُرْآنُو سُنَنَاتِ كِي اَآلَم_गीर गैर सियासी तहरीक दा 'वते इस्लामी के महके महके म-दनी माहोल में ब कसरत सुन्नतें सीखी और सिखाई जाती हैं, हर जुमा' रात इशा की नमाज़ के बा'द आप के शहर में होने वाले दा'वते इस्लामी के हफ़्तावार सुन्नतों भरे इज्तिमाअ में रिज़ाए इलाही के लिये अच्छी अच्छी निय्यतों के साथ सारी रात गुज़ारने की म-दनी इल्तिजा है। आशिक़ाने रसूल के म-दनी क़ाफ़िलों में ब निय्यते सवाब सुन्नतों की तरबिय्यत के लिये सफ़र और रोज़ाना फ़िक़े मदीना के ज़रीए म-दनी इन्आमात का रिसाला पुर कर के हर म-दनी माह के इस्तिदाई दस दिन के अन्दर अन्दर अपने यहां के ज़िम्मेदार को जम्अ करवाने का मा'मूल बना लीजिये, **إِنْ شَاءَ اللَّهُ تَعَالَى** इस की ब-र-कत से पाबन्दे सुन्नत बनने, गुनाहों से नफ़रत करने और ईमान की हिफ़ाज़त के लिये कुढ़ने का ज़ेहन बनेगा।

हर इस्लामी भाई अपना येह ज़ेहन बनाए कि "मुझे अपनी और सारी दुनिया के लोगों की इस्लाह की कोशिश करनी है। **إِنْ شَاءَ اللَّهُ تَعَالَى**" अपनी इस्लाह की कोशिश के लिये "म-दनी इन्आमात" पर अमल और सारी दुनिया के लोगों की इस्लाह की कोशिश के लिये "म-दनी क़ाफ़िलों" में सफ़र करना है। **إِنْ شَاءَ اللَّهُ تَعَالَى**



मक-त-बतुल मदीना®
दा'वते इस्लामी

फैज़ाने मदीना, त्री कोनिया बगीचे के सामने, मिरज़ापुर, अहमदआबाद-1, गुजरात, इन्डिया
Mo.091 93271 68200 E-mail : maktabaahmedabad@gmail.com www.dawateislami.net